

27/3/8t

# The Gazette of India

# असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 466]

नई विल्ली, बृहस्पतिबार, अक्तूबर 17, 1985/आविबन 25, 1907

No. 466]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 17, 1985/ASVINA 25, 1907

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्यादी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखाजासके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be tiled as a separate compilation

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिस्चना

नई दिल्ली, 17 अक्तूबर, 1985

सा. का. नि. 805 (अ) :— केन्द्रीय सरकार, एकाभिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनयम, 1969 (1969 का 54) की धारा 67 द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 का और संबोधन करने के लिए निम्नेलिखित नियम बनाती है. अर्थात्ः :—

- 1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार (संशोधन) नियम, 1985 हैं 1
  - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

- एकाभिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 की अनुसूची में,—
  - (1) प्ररूप सं. 3 में, मद सं. 5 के पश्चात्, निम्न-लिखित मद अन्तःस्थामित की जाएगी, अर्थातः —
  - ''5 क, कृषया उस आय-कर कार्यालय<sup>,</sup> का पूरा पता/ पूरे पते कर्ताएं जहां समामेलन में सम्मिलित कम्पनियों का आय-कर के लिए निर्भारण किया जाता है।'';
  - (2) प्ररूप 7 के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात्:—

''प्ररूप 7''

[ए.अ.क्या.क्य.नियम, 1970 का नियम 9(4)]

मद्रा

रिजस्दीकरण प्रमाण-पत्र

₹.

भारत सरकार, कम्मनी कार्य विभाग, नई दिल्ली, तारीख

प्रमाणित किया जाता है उस उपक्रम को जिसकी विशिष्टियां नीचे दी गई हैं, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 की धारा 26 की उपधारा (2) के अधीन रखे गए रिजस्टर में उक्त अधिनियम की धारा 20 के खण्ड (क), खण्ड (ख)/खण्ड (क) और (ख) के अनुसरण में आज नारीख को रिजस्टर किया गंथा है।

# विशिष्टियां

1. उपऋम का नाम ध

पसा :

3. रजिस्ट्रीकरण संख्यांक :

हस्ताक्षर

विभाग की मुद्रा 🖓

[फा. सं. 38/4**/85-सी**. एल. 5] ए. एम. चऋवती, उप-सचिव

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 17th October, 1985

### NOTIFICATION

G.S.R. 805(E).—In exercise of the powers conferred by section 67 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, namely:—

1. (1) These rules may be called the "Monopolies and Restrictive Trade Practices (Amendment) Rules, 1985".

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970,—
  - (i) in Form No. III, after item No. 5, the following item shall be inserted, namely:—
  - "5A. Please indicate the complete address(es) of the income-tax office where the companies involved under amalgamation are assessed to income-tax.";
  - (ii) for Form VII, the following form shall be substituted, namely:—

"Form VII

[Rule 9(4) of M.R.T.P. Rules, 1970] SEAL

CERTIFICATE OF REGISTRATION

No.

Government of India,

Department of Company Affairs.

New Delhi, the

Certified that the undertaking whose particulars are specified below has, this day, been registered pursuant to clause (a) |clause (b) |clauses (a) & (b) of section 20 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 in the register maintained under sub-section 2 of section 26 of the said Act.

## **PARTICULARS**

- Name of the undertaking :
- 2. Address:
- 3. Registration Number.

Signature

Scal of the Department."

[F. No. 38|4|85-CL, V.]

A. M. CHAKRABORTI, Deputy Secy.